University in News on 13 February 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

नकल करने पर तीन छात्रों की सेमेस्टर परीक्षाएं रद

लविवि : अब दोबारा देनी होगी परीक्षा, यूएफएम समिति की संस्तुति पर कार्रवाई

नकल में पकड़े गए एमबीए के आठ छात्र दोषमुक्त भी किए गए

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विवि में विषम सेमेस्टर की परीक्षा में अनुचित साधनों के साथ नकल करते पकड़े गए तीन छात्रों की सेमेस्टर परीक्षाएं रद कर दी गई हैं। अब इन्हें पढ़ाई जारी रखने के लिए दोबारा से सभी विषयों की परीक्षा देनी होगी। नकल रोकथाम के बनाई गई यूएफएम समिति की संस्तुति के बाद परीक्षा विभाग ने ये कार्रवाई की है। वहीं, 8 छात्रों को समिति ने दोषमुक्त कर दिया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में 17 दिसंबर से पांच फरवरी के बीच विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं हुई थीं। इस दौरान उड़ाका दल ने विवि परिसर एवं सहयुक्त कॉलेजों में निरीक्षण में कई छात्रों को अनुचित साधनों के साथ पकड़ा था। जिस पर इन सभी की कॉपियां जमाकर यूएफएम समिति को भेज दिया गया था।

समिति की सुनवाई के दौरान छात्रों ने अपना पक्ष रखा था। इसमें संतोषजनक जवाब देने पर एमबीए के आठ विद्यार्थियों को दोषमुक्त कर दिया गया, जबकि संतोषजनक जवाब न देने वाले एमबीए के दो और बीबीए के एक छात्र की परीक्षा रद कर दी गई।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि विवि नकलमुक्त परीक्षाएं कराने के लिए प्रतिबद्ध है। यूएफएम समिति की संस्तुति पर ही कार्रवाई की गई हैं।

भारतीय संस्कृति का प्रसार कर रहे लविवि के विद्यार्थी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राच्य संस्कृत विभाग के विद्यार्थी महाकुंभ में भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। लखनऊ विवि के गौरवशाली इतिहास से भी लोगों को परिचित करवा रहे हैं।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि लविवि के छात्र 13 जनवरी से ही प्रयागराज में शिविर का आयोजन कर रहे हैं। यहां पहुंचने वाले लोगों को गंगा स्नान की विधि, पुण्यफल व अन्य विधियां बताई जा रही हैं। इसका उद्देश्य लोगों को सनातन संस्कृति के बारे में जागरूक करना है।

शिविर में डॉ. प्रेरणा माथुर, डॉ. श्यामलेस तिवारी व अन्य शिक्षक शामिल हुए हैं। (संवाद)

AMRIT VICHAR PAGE 4

महाकुंभ में लविवि का शिविर

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में प्राच्य संस्कृत विभाग के शिक्षकों और छात्रों की ओर से 13 जनवरी से प्रयागराज महाकुंभ में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रतिदिन सायंकालीन मां गंगा आरती की जा रही है। शिविर में प्रतिदिन लगभग 150-200 अतिथि श्रद्धालु शास्त्र चर्चा में भाग लेते हैं। प्राच्य संस्कृत विभाग के छात्र भारतीय संस्कृति तथा महाकुंभ के महत्व जागरूक कर रहें। यह कार्यक्रम 26 फरवरी तक रहेगा। विभिन्न विद्वानों द्वारा विविध विषयों पर शास्त्रीय गहन चर्चा, विविध कर्मकांडीय यज्ञ संपन्न आदि सभी कार्य इन छात्रों द्वारा ही किये जा रहे हैं।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

छात्र आगंतुकों को बता रहे महाकुंभ का महत्व

लविवि ने महाकुंभ में लगाया शिविर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय की प्रेरणा से प्राच्य संस्कृत विभाग के शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा महाकुंभ में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 13 जनवरी से महाकुंभ में चल रहा है। गणतंत्र दिवस पर वहां ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न हुआ था। इस कार्यक्रम में विभाग की अध्यक्ष डॉ.प्रेरणा माथुर, डॉ.श्यामलेश तिवारी, छात्र-छात्राओं तथा विभिन्न अतिथियों ने सहभागिता की थी। विभाग के छात्रों द्वारा प्रतिदिन सायंकालीन मां गंगा आरती की जा रही है, जिसमें अनेक श्रद्धालु इस पवित्र क्षण के साक्षी बन रहे हैं। शिविर में प्रतिदिन करीब दो सौ अतिथि श्रद्धालु आते हैं तथा यहां आयोजित होने वाली शास्त्र चर्चा में भाग लेते हैं। प्राच्य संस्कृत विभाग के छात्र भारतीय संस्कृति तथा महाकुंभ के महत्व को सभी आगंतुकों को बड़े श्रधाभाव से बताते हैं। सभी आगंतुकों का सत्कार किया जाता है। भारतीय संस्कृति के प्रचार एवं प्रसार के लिए सभी सम्यक प्रयास किया जा रहे हैं। लविवि महाकुंभ में अपनी संस्कृति की धरोहर ज्ञान को सभी तक पहुंचाने में सतत प्रयासरत है। उक्त जानकारी देते हुए लविवि के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह कार्यक्रम 26 फरवरी तक चलेगा। जिसमें विभिन्न विद्वानों द्वारा विविध विषयों पर शास्त्रीय गहन चर्चा, विविध कर्मकांडीय यज्ञ संपन्न आदि सभी कार्य इन छात्रों द्वारा ही किये जा रहे हैं।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

महाकुंभ प्रयागराज में लविवि का चल रहा शिविर

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राच्य संस्कृत विभाग के शिक्षकों एवं छात्रों के तत्वावधान में महाकुंभ, प्रयागराज में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 13 जनवरी से ही महाकुंभ प्रयागराज में चल रहा है। गणतंत्र दिवस पर भी वहां ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न हुआ था। इस कार्यक्रम में विभाग की अध्यक्ष डॉ प्रेरणा माथुर, डॉ श्यामलेशतिवारी, छात्र-छात्राओं तथा विभिन्न अतिथियों ने सहभागिता की थी। विभाग के छात्रों द्वारा प्रतिदिन सायंकालीन मां गंगा आरती की जा रही है, जिसमें अनेक श्रद्धालु इस पवित्र क्षण के साक्षी बन रहे हैं। शिविर में प्रतिदिन लगभग 150 से 200 अतिथि श्रद्धालु आते हैं तथा यहां आयोजित होने वाली शास्त्र चर्चा में भाग लेते हैं।

प्राच्य संस्कृत विभाग के छात्र भारतीय संस्कृति तथा महाकुंभ के महत्व को सभी

आगंतुकों को बड़े श्रद्धाभाव से बताते हैं। सभी आगंतुकों का सत्कार किया जाता है। भारतीय संस्कृति के प्रचार एवं प्रसार के लिए सभी सम्यक प्रयास किया जा रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय का यह प्रयागराज प्रांगण अपनी संस्कृति की धरोहर ज्ञान को सभी तक पहुंचाने मे सतत प्रयासरत है। यह कार्यक्रम 26 फरवरी तक रहेगा। विभिन्न विद्वानों द्वारा विविध विषयों पर शास्त्रीय गहन चर्चा, विविध कर्मकांडीय यज्ञ संपन्न आदि सभी कार्य इन छात्रों द्वारा ही किये जा रहे हैं।

गंगा स्नान करने की विधि, यथा गंगा स्नान से पूर्व घर से स्नान करके स्वच्छ होकर ही मां गंगा में प्रवेश करना चाहिए, गंगा में वस्त्र नहीं धोने चाहिए, शालीनता से गंगा मां की गोद में प्रवेश कर आचमन, निमज्जन अथवा स्नान करना तथा अमृत स्नान के दिवस स्नान विधि का ज्ञान भी श्रद्धालुओं को दिया जा रहा है, यही नहीं हमारे छात्रों का समूह प्रयास करता है कि सभी उचित पद्धति से ही स्नान करें। ये छात्र भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक एवं अध्यात्मिक प्रगति एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए मन वाणी एवं कर्म से सतत कार्यरत हैं।